

[This question paper contains 12 printed pages.]

2073

Your Roll No. ....

LL.B. / I Term

D

Paper LB-104 – CRIMINAL LAW – I (NC)

(Specific Crimes)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any **five** questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write short notes on any **two** of the followings :

- (a) Explain and illustrate distinction amongst 'motive',  
'intention' and 'knowledge'.
- (b) Distinction amongst the offences of 'theft',  
'extortion' and 'robbery'.

P.T.O.

(c) Bring out the essential ingredients of the offence of 'dowry death' under the IPC.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) हेतु, आशय और 'ज्ञान' में उदाहरण देते हुए विभेद कीजिए ।

(ख) चोरी उद्यापन और लूट में विभेद कीजिए ।

(ग) भारतीय दण्ड संहिता के तहत "दहेज मृत्यु" के आवश्यक तत्व बताइए ।

2. Critically explain the test laid down by the Supreme Court in *Virsa Singh v. State of Punjab* AIR 1958 SC 465 for invoking the charge of murder under section 300(3) read with section 302 IPC. Comment on principles in *Kapur Singh v. State of Pepsu* AIR 1956 SC 654 and of *Virsa Singh* the latter case.

भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300(3) की धारा 302 के साथ पढ़ते हुए 'हत्या' का आरोप आहुत करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा विरसा सिंह बनाम पंजाब राजा AIR 1958 SC 465 में धारित परीक्षणों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए । कपूर सिंह बनाम पेप्सू राज्य AIR 1956 SC 654 और पश्चातवर्ती विरसा सिंह के वाद में दिये गये सिद्धान्तों पर टिप्पणी लिखिए ।

3. (a) Bring out clearly the distinction in the degree of rashness required under section 304A IPC and that under section 304 part II, IPC for conviction of offenders with the help of decided cases and illustrations.

(b) The Supreme Court in *E.K. Chandrasenan v. State of Kerala* (1995) 2 SCC 99 is critical of the approach of the sessions court and the high court in not appreciating the degree of culpability of the accused and convicting them only under sections 328 and 326 IPC respectively. Examine the approach of the Supreme Court in the above decision and what were the reasons that stood in the way of the Supreme Court in not convicting the main accused under section 302 IPC ? Bring out clearly the essential ingredients of section 326 of IPC.

(क) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304A और 304 के भाग II के तहत अपराधियों की दोषसिद्धि के लिए आवश्यक उतावलेपन की आंशिक भिन्नता को निर्धारित वादों की सहायता से स्पष्ट कीजिए ।

(ख) उच्चतम न्यायालय ने इ. के. चन्द्रसेनन बनाम केरल राज्य (1995)2 SCC 99 के वाद में सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा अभियुक्त की आपराधिकता को ध्यान में न रखने और अभियुक्त

को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 328 व 326 के तहत दोषसिद्ध करने के दृष्टिकोण की आलोचना की है। उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त वाद में दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए और उन कारणों को बताइए जो उच्चतम न्यायालय द्वारा अभियुक्त को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के तहत दोषसिद्ध करने में बाधा सिंह हुए। धारा 326 के आवश्यक तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

4. (a) Bring out clearly the distinction between the requirements of the partial defence contained in Exception I and IV to section 300 IPC with the help of decided cases and also the similarity in some of the essentials, if any, of two exceptions.
- (b) Explain with the help of decided cases the legal fiction of 'reasonable man' for determining the 'grave' and 'sudden' provocation and the concept of 'cooling down period' for reducing the criminality of an accused for murder to culpable homicide not amounting to murder under Exception I to section 300 IPC.
- (क) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 के अपवाद I और IV की आवश्यकताओं के आंशिक बचाव में निर्णीत वादों की सहायता से विभेद कीजिए और यदि इन दोनों अपवादों के आवश्यक तत्वों में कोई समानता हो तो, बताइए।

(ख) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 के प्रथम अपवाद में हत्या के अभियुक्त की आपराधिकता को हत्या से आपराधिक मानव वध जो हत्या नहीं है में बदलने के लिए “विवेकशील व्यक्ति” की विधिक कल्पना, जिसके द्वारा “गंभीर और अचानक प्रकोपन” तथा “शान्त होने का समय की परिकल्पना का निर्धारण किया जाता है, को निर्णीत वादों की सहायता से समझाइए।

5. (a) Clearly bring out the salient features of the Criminal Law (Amendment) Act, 2013 bringing in changes in rape law and introducing some new offences in the IPC in the category of offences against women.
- (b) You are required to decide the criminality of Tukaram and Ganpat under Law as amended under the Criminal Law (Amendment) Act, 2013 in the following facts and circumstances :

Mathura, an unmarried girl about 18 years of age was called to police station by the above named policemen in respect of her role in a kidnapping case. After she came out of the police station she complained that the above two accused confined her in one room and Ganpat undressed her and before having penile penetration in her vagina he inserted two of his fingers in her vagina. It was

at that time that she was able to run away from the room by forcefully pushing both of them on one side. She stated that she could thus save herself from being forced to penile sexual intercourse against her will and without her consent. She also stated in her statement to the police that when Ganpat had overpowered her, Tukaram was also undressing himself with intent to have forced penile sexual intercourse with her. Decide.

(क) अपराध विधि (संशोधन) अधिनियम 2013 की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए जिसके द्वारा बलात्संग विधि में बदलाव किये गये हैं और महिलाओं के विरूद्ध अपराध श्रेणी में कुछ नवीन अपराधों को भारतीय दण्ड संहिता में शामिल किया गया है।

(ख) आप से अपेक्षा है कि आप भारतीय आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम 2013 के तहत निम्नलिखित परिस्थितियों में तुकाराम और गनपत की आपराधिकता को निर्णय करें :

मथुरा, एक अविवाहित लड़की जिसकी आयु तकरीबन 18 वर्ष है, को उक्त नाम के पुलिस मैन द्वारा व्यपहरण के वाद में उसकी भूमिका को लेकर थाने में बुलाया जाता है। जब वह थाने से बाहर आती है तो वह शिकायत करती है कि उपरोक्त दोनों अभियुक्तों ने उसे एक कमरे में बन्द कर लिया और गनपत ने उसे नंगा

कर दिया और उसकी योनि में लिंग प्रवेशन से पूर्व उसने अपनी दो उँगलियाँ उसकी योनि में प्रविष्ट की। उसी समय वह दोनों अभियुक्तों को बलपूर्वक एक तरफ ढकेल कर कमरे से भागने में सफल हुई। वह कहती है कि इस प्रकार वह अपनी इच्छा के विरुद्ध और बिना सहमति के बलपूर्वक लैंगिक संबंध से स्वयं को बचा सकी। वह पुलिस को दिये अपने बयान में यह भी कहती है कि जब गनपत ने उसे अपने वश में कर लिया तब तुकाराम भी उसके साथ बलात लैंगिक संबंध बनाने के आशय से अपने कपड़े उतार रहा था। निर्णय दीजिए।

6. (a) Bring out clearly the distinction and similarities, if any, between the offences of 'criminal misappropriation' and 'criminal breach of trust'.
- (b) Shyam was interested to take care of the fruits on Apple tree till they were ripe when the farmer owner would sell them to processing units for manufacture of apple juice. Shyam cut the fruits and disposed them of using the proceeds to set up his own business with intent to return the proceeds to the farmer owner after he settled down in his business. Discuss with the help of legal provisions and decided cases, what offence, if any, has been committed by Shyam under the IPC.

- (क) आपराधिक दुर्विनियोजन और आपराधिक न्यास भंग में यदि कोई विभेद हो तो स्पष्ट रूप से बताइए ।
- (ख) श्याम को इस सेवक के वृक्ष की देखभाल करने जिम्मेदारी तब तक के लिए दी गयी जब तक कि फल पक नहीं जाते, ताकि स्वामी किसान उनके पकने पर उनका जूस तैयार करने के लिए प्रोसेसिंग यूनिट को बेच सके । श्याम ने फलों को काट लिया और उनको इस आशय से निपटा दिया ताकि उससे जो भी आय होगी वह इस आय को अपना व्यवसाय स्थापित करेगा और अपना व्यवसाय स्थापित होने के उपरान्त उपरोक्त आम को स्वामी किसान को वापस कर देगा । विधिक प्रावधानों और निर्णीत वादों की सहायता से विवेचना कीजिए कि क्या उसने भारतीय दण्ड संहिता के तहत कोई अपराध किया है, यदि हाँ, तो क्या ?
7. (a) Bring out clearly the distinction between kidnapping and abduction under the IPC.
- (b) Rakhi, a female, aged about 15 years, and Raj, a male, aged about 15 years, were good friends in the school. One day Rakhi proposed to marry Raj but Raj did not heed because he was afraid of his step mother who would ill-treat him. Rakhi visited Raj's home in his absence and came to know from the servants that he was being ill-treated by his step- mother and his father could do nothing as he



was forced by his parents to remarry after he had lost his first wife i.e. Raj's mother. Rakhi went home and told her mother about this whole story and sought her help in arranging for permanent stay of Raj in their out house where he could concentrate on his studies. Rakhi's mother expressed no objection should Raj agree to this arrangement. Rakhi gave this offer to Raj and told him that only after he settled down in his life that she would again propose marriage with him.

Raj thought over the matter and finally decided to shift to the outhouse offered to him by Rakhi without discussing with his father anything about this matter. When Raj did not return home his father filed an FIR alleging that his son has been kidnapped by Rakhi and his mother. Decide if Rakhi can be held guilty of kidnapping Raj with the help of judicial decisions and decided cases.

(क) व्यपहरण और अपहरण में स्पष्ट रूप से विभेद कीजिए ।

(ख) राखी, एक महिला, जिसकी आयु तकरीबन 15 साल तथा राज एक पुरुष जिसकी आयु तकरीबन 15 साल है; विद्यालय में अच्छे मित्र थे । एक दिन राखी राज के सामने शादी का प्रस्ताव रखा किन्तु राज ने इस पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि वह इस बात से भयभीत

था कि उसकी सौतेली माँ उनसे बुरा व्यवहार करेगी। राखी राज के घर उसकी अनुपस्थिति में जाती है और नौकरों से उसे पता चला कि उसकी सौतेली माँ उससे बुरा व्यवहार करती है और उसके पिता कुछ नहीं कर सके क्योंकि उनके माता-पिता द्वारा, उनकी पहली पत्नी जो राज की माँ थी, की मृत्यु के उपरान्त, दूसरी शादी करने के लिए दबाव डाला गया था। राखी घर जाती है और अपनी माँ को इस पूरी कहानी के बारे में बताया और उससे सहायता माँगी उसी के घर में राज के ठहरने की कुछ व्यवस्था हो जाए ताकि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित कर सके। राखी कि माँ ने राज के इस प्रकार तैयार होने पर अपना कोई एतराज नहीं जताया। राखी ने यह प्रस्ताव राज को दिया और उसे बताया कि जब वह अपने जीवन में स्थायित्व प्राप्त कर लेगा वह पुनः उससे शादी का प्रस्ताव रखेगी।

राज ने इस मुद्दे पर विचार किया और अन्ततः राखी द्वारा दिये गये प्रस्ताव के अनुसार घर छोड़कर, अपने पिता को इस संबंध में बिना कुछ विमर्श किये, राखी के घर शिफ्ट हो गया। जब राज घर नहीं लौटा तो राज के पिता ने प्रथम द्विपटया प्रतिवेदन इस आरोप के साथ दर्ज करवायी कि राखी और उसकी माँ ने उसके पुत्र का व्यपहरण कर लिया है।

निर्णीत वादों की सहायता से निश्चय कीजिए कि क्या राखी को राज के व्यपहरण के लिए दोषी ठहराया जा सकता है ?

8. (a) Najam represented to Kardam that he was a big estate-holder owning innumerable properties which representations were not true. Kardam, believing the representation of Najam to be true, agreed to purchase an estate from Najam of which Najam was not the owner, for a consideration which eventually he paid after documents were executed between him and Najam. Later on, Kardam came to know that Najam had no title in the said property. Kardam wants to proceed against Najam under the IPC and seeks your advice as to what offence, if any, has been committed by Najam.

You are required to advise Kardam on the issue of criminal liability of Najam, if any, under IPC.

- (b) A & B had business relations between them. Money admittedly was due from A to B. B entered into the room of A and demanded in excess of dues. On refusal to pay more money B slapped A and took all the money from the pocket of A. Discuss the criminal liability of B under IPC.

- (क) नजम ने कर्दम को यह निरूपित किया कि वह एक बड़ा आस्तिधर्ता है जिसकी अनेक सम्पत्तियाँ हैं, जो निरूपण सत्य नहीं था। कर्दम ने नजम के निरूपण को सत्य मानते हुए नजम से एक परिसम्पत्ति

खरीदने के लिए सहमति दी, जिसका कि नजम स्वामी नहीं था। जिसके लिए प्रतिफल संभाव्यतया उसने अपने और नजम के मध्य दस्तावेजों के निष्पादनोपरान्त अदा किया। उसके बाद कर्दम को यह पता चला कि नजम का उस सम्पत्ति पर कोई हक नहीं है। कर्दम भारतीय दण्ड संहिता के तहत नजम पर कार्यवाही करना चाहता है और आप से सुझाव चाहता है कि यदि नजम ने कोई अपराध किया है, तो क्या ?

आप से अपेक्षा है कि आप कर्दम को मशविरा दे कि नजम का भारतीय दण्ड संहिता में कोई आपराधिक दायित्व है, यदि हाँ, तो क्या ?

(ख) अ और ब आपस में व्यवसायिक संबंध है। अ का ब के प्रति स्वीकृत रूप से देय है। ब, अ के कक्ष में प्रवेश करता है। अ द्वारा अधिक धन देने से मना करने पर ब, अ को थप्पड़ मारता है और अ की जेब से सारा धन ले जाता है। भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत 'ब' के आपराधिक दायित्व का निर्धारण कीजिए।